




# फद अहकाम

जीविन्द्रशम बनाम हनुमान वारेह  
उप खण्ड अधिकारी शाहपुरा  
५४/१८

आज्ञा या बाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
१०/२३	<p>प्राप्य की माफ वादी ने द्वारा मिदल लखीया उप-पर पेना होने से लखस की जान (पेना ५५१) लखी वादी ने मम वादीगण के उपस्थित होकर अर्चना पर पेना किया कि पसनागण में पुबानी राजीनामा होने से (५५) विद्वान् कि जाने का अर्थन पर पेना का दावा यदि भाष्यकृत्तुमा ले पुनः ममा वाद पर पेना जाने की वार्त पर विद्वान् कि जाने का उप-पर पेना का दावा विद्वान् कि जाने का उप-पर स्वीकार कि जाने का निवेदन किया। उक्त लखीगण द्वारा अर्चना वाद पर विद्वान् कि जाने का उप-पर स्वीकार किया जाया पुनः वाद पर पेना जाने की स्वीकृति के साथ दया (वैदिक किना जाया है। प्रजापती केसव द्वारा होना ५५/१८ दफ्तर है।</p>	<div style="text-align: center;">               म. वि. खण्डारी         </div> <div style="text-align: center; margin-top: 20px;">               म. वि. खण्डारी         </div>
	 उप खण्ड अधिकारी शाहपुरा (जयपुर)	